1

सवेरा

(कविता)

प्रतिध्वनि

"इंसान अपने विचारों से निर्मित प्राणी है,
वो जैसा सोचता है वैसा बन जाता है।" – महात्मा गांधी

उदय हुआ सूरज पूरब में
आसमान में छाई लाली,
रही न रात, न रहा अँधेरा
रही न चंदा की उजियाली।

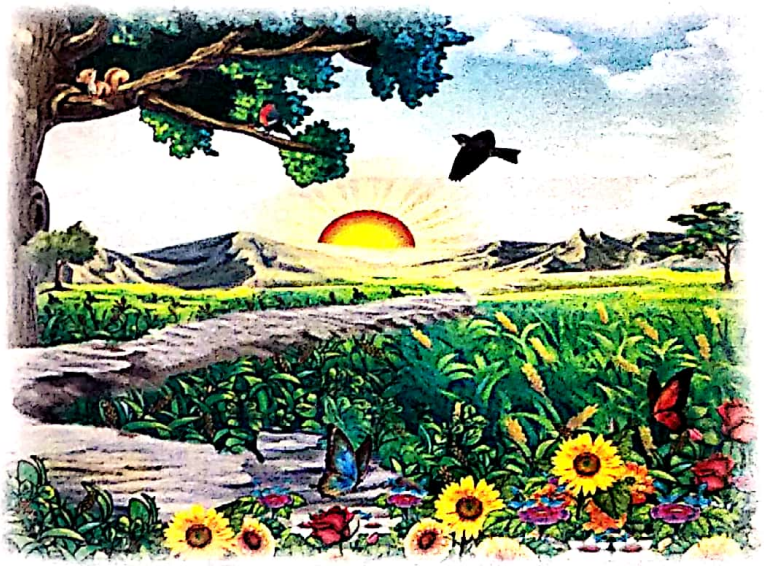

डाल-डाल पर बैठे पक्षी
चहचह-चहचह चहक रहे हैं,
खिले फूल, मुस्काईं कलियाँ
सारे उपवन महक रहे हैं।

हवा बह रही धीमी-धीमी
शीतल, मंद और सुखदाई,
जाग गए हैं खेत, बाग-वन
पेड़ ले रहे हैं अँगड़ाई।

कण-कण पर बिखरे हैं मोती
कण-कण बिखरी हैं मणियाँ,
कितनी मनोहर, कितनी सुंदर
सुखद सुहानी ये घड़ियाँ।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

Scanned with CamScanner

जीवन मूल्य : हमें अपने जीवन को सभी प्रकार से सुंदर बनाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

शब्दार्थ

उदय	- प्रकट होना	उजियाली	- रोशनी	उपवन	- बगीचा
शीतल	- ठंडी	सुखदाई	- सुख देने वाली	सुंदर	- अच्छा
मंद	- धीमी	मनोहर	- मन को हरने वाली	घड़ियाँ	- क्षण

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) इस कविता में किस समय का वर्णन किया गया है?

(ख) सूर्य निकलने पर क्या-क्या होता है?

(ग) हवा में कौन-सी विशेषता पायी जाती है?

2. सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-

(क) खिले फूल, ... कलियाँ

(ख) ..... बह रही धीमी-धीमी

(ग) कण-कण पर बिखरे हैं .....

(घ) रही न ..... की उजियाली।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– [Multiple Choice Questions (MCQs)]

(क) सूरज के उदय होने पर आसमान में क्या छा जाती है?

(i) रात ◯ (ii) लाली ◯ (iii) काली

Scanned with CamScanner

2 सोनिया का संकोच

(शिक्षाप्रद कहानी)

प्रतिध्वनि

"जैसा हमारा आत्मविश्वास होता है वैसी ही हमारी क्षमता होती है।" – विलियम हैज़लिट

"स्वास्थ्य सबसे बड़ी दौलत है। संतोष सबसे बड़ा खज़ाना है। आत्मविश्वास सबसे बड़ा मित्र है।"

– लाओ जू

सोनिया बहुत कम बोलती थी। लड़ाई-झगड़ा तो रही दूर की बात, वह अपनी कक्षा में अध्यापक से भी कोई प्रश्न नहीं करती थी। सभी उसे संकोची लड़की के नाम से जानते थे। उसके माता-पिता भी उसके इस स्वभाव से चिंतित रहते थे।

सोनिया के पिता सोनिया के स्वभाव को लेकर चिंतित थे। वह सोचते थे कि शायद यह उसका पैतृक गुण हो क्योंकि वह खुद भी शुरू में बहुत संकोची थे, और बाद में ही मुखर हो सके थे।

एक दिन सोनिया की सहेली काजल की माँ ने व्यंग्य भरे लहजे में सोनिया की माँ से कहा, "सोनिया की मम्मी, इस बात को गंभीरता से लो। लड़की का संकोची होना अच्छी बात नहीं है। आप इसे किसी मनोचिकित्सक को दिखाएँ। जिनके घर में विचार-विमर्श, लिखने-पढ़ने का माहौल न हो, उनके बच्चे ऐसे हों तो कोई बात नहीं, लेकिन आपके घर में।"

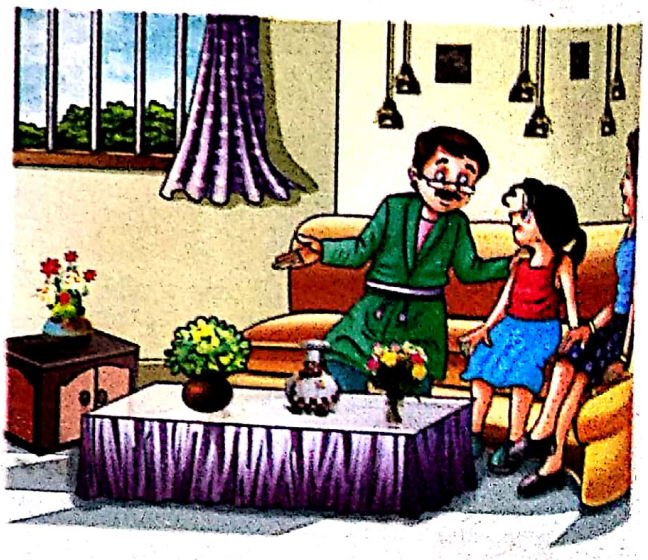

उन्हें काजल की माँ की बात अच्छी नहीं लगी थी। सोनिया अपनी कक्षा में बोलने में जितनी संकोची थी, उतनी ही पढ़ाई-लिखाई में होशियार थी। यह बात उसके घर वालों के साथ-साथ अध्यापकों को भी पता थी।

बहुत सोच-विचार के बाद एक दिन सोनिया के पिता ने उसे अपने पास बुलाया और कहा,

Scanned with CamScanner

"देखो बेटी, तुम पढ़ने में तेज हो, तुम्हारा स्वास्थ्य अच्छा है, तुम किसी भी प्रकार से किसी से कम नहीं हो। सबसे अच्छी मित्र तो किताबें ही होती हैं, जो आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। तुम्हें किस बात का डर? बस तुम्हें मुखर होना है। कोई गलत बात कहता है तो तर्कों का सहारा लो। तुम्हारे पास ज्ञान का भंडार है, फिर संकोच कैसा?"

पिता की बात का सोनिया पर गहरा असर हुआ था। वह बोली, "पापा, आप यह समझिए कि मेरे डर और संकोच का यह अंतिम दिन है। एक दिन मैं आपको कुछ बनकर दिखाऊँगी।" सोनिया के चेहरे से आत्मविश्वास फूट रहा था। सोनिया की माँ ने उसे सीने से लगा लिया।

जीवन मूल्य : **हमें संकोची स्वभाव का न होकर पूरे आत्मविश्वास और लगन से अपना कार्य करना चाहिए।**

शब्दार्थ

- संकोच – हिचकिचाहट
- चिंतित – परेशान
- मुखर – बहुत बोलनेवाला
- आत्मविश्वास – अपने पर भरोसा
- मनोचिकित्सक – मानसिक रोगों की चिकित्सा करने वाला

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) सोनिया का स्वभाव कैसा था?

(ख) सोनिया के पिता उसके स्वभाव के बारे में क्या सोचते थे?

(ग) सोनिया के पिता ने सोनिया को क्या समझाया?

(घ) सोनिया ने अपने पिता से क्या वादा किया?

Scanned with CamScanner